SEMESTER III **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

III. GENERIC ELECTIVE (GE 3)
सामान्यीकृत चयन –GE 3:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

साहित्य और पत्रकारिता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

साहित्य और पत्रकारिता

साहित्य और पत्रकारिता का सम्बन्ध, हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा, साहित्यिक पत्रकारिता का उद्‌देश्य, साहित्यिक पत्रकारिता का भविष्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ0 वंशीधर लाल
- भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 वंशीधर लाल
- साहित्य और पत्रकारिता : डॉ0 चन्द्रकान्त मेहता
- साहित्यिक पत्रकारिता : डॉ0 ज्योतिष जोशी
- हिन्दी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श : डॉ0 शिवनरायण
- हिन्दी पत्रकारिता– स्वरूप और संदर्भ : डॉ0 विनोद गोदरे
- पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा
- संपूर्ण पत्रकारिता. इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- आधुनिक पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
- हिंदी के विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान : डॉ0 नागेश्वर सिंह
- हिंदी पत्रकारिता : पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र
- बाखबर–बेखबर : डॉ मिथिलेश
- हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : डॉ0 वेद प्रताप वैदिक
- पत्रकारिता नये सिद्धांत एवं प्रयोग : रत्नेश्वर
- सपादन विज्ञान/समाचार एक दृष्टि : रत्नेश्वर
- पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
- पत्रकारिता और स्तंभ लेखन : चन्द्रभूषण
- दूरदर्शनः दरश और दिशा, दूरदर्शन की भूमिका : डॉ0 सुधीश पचौरी
- ब्रेक के बाद, नये जनसंचार माध्यम और हिंदी : डॉ0 सुधीश पचौरी